



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 3, 1968 (श्रावण 12, 1890)

No. 31]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 3, 1968 (SRAVANA 12, 1890)

इस भाग में सिंगल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## नोटिस NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 24 जून 1968 तक प्रकाशित किये गये हैं :—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 24th June 1968 :—

सं०	संख्या और तारीख	द्वारा जारी किया गया	विषय
Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject

— शून्य —  
— Nil —

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazette Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

## विषय-सूची (CONTENTS)

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	पृष्ठ 569	भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं . . . . .	पृष्ठ 3593
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	833	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश . . . . .	341
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	53	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .	645
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	667	भाग III—खंड 2—एकस्य कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें . . . . .	299
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . . .	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .	91
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट . . . . .	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं . . . . .	253
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) . . . . .	1795	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें . . . . .	141

पूरक संख्या 31—

27 जुलाई 1968 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट . . . . .	1281
6 मई 1968 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक जावाही के शहरों में जन्म, तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े . . . . .	1295

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	Page 569	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (II)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) . . . . .	Page 3593
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	833	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence . . . . .	341
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence . . . . .	53	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India . . . . .	645
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence . . . . .	667	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta . . . . .	299
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners . . . . .	91
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills . . . . .	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies . . . . .	253
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (I)—General Statutory Rules, (including orders, bye-laws, etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) . . . . .	1759	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies . . . . .	141
		SUPPLEMENT No. 31—	
		Weekly Epidemiological Reports for week-ending 27th July 1968 . . . . .	1281
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 6th May 1968 . . . . .	1295

## भाग I—खण्ड 1

## PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

दिनांक 25 जुलाई 1968

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1968

सं० 51-प्रेज/68—राष्ट्रपति दिनांक 26 जनवरी, 1967 की “रक्षा मंडल 1965” से सम्बन्धित अधिसूचना संख्या 14-प्रेज/67 और दिनांक 26 जनवरी, 1967 की “समर सेवा स्टार 1965” से सम्बन्धित अधिसूचना संख्या 15-प्रेज/67 जिसे 29 अप्रैल, 1967 की अधिसूचना संख्या 38-प्रेज/67 तथा दिनांक 11 मार्च, 1968 की अधिसूचना संख्या 19-प्रेज/68 द्वारा संशोधित किया गया है, निम्नलिखित संशोधन करने का आदेश देते हैं :—

(क) अधिसूचना संख्या 14-प्रेज/67, दिनांक 26 जनवरी 1967 के द्वितीय परिच्छेद के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाय :—

“मंडल 35 मिलीमीटर के व्यास का गोलाकार का ताम्रनिकल का बना होगा। इसमें सामने की ओर 22 मिलीमीटर ऊंचा राज्य चिह्न समुदभूत होगा। इसके पीछे बीच में उदय होता हुआ सूर्य समुदभूत होगा और नीचे दोनों ओर पत्तियों से युक्त एक शाखा (लारेल) होगी तथा इनके ऊपर “रक्षा मंडल 1965” अन्तर्लिखित होगा। मंडल में परिमाणिक आकार की फिटिंग होगी। मंडल का एक मुद्राकृत प्रतिरूप सुरक्षित रखा जायगा।

(ख) अधिसूचना संख्या 15-प्रेज/67, दिनांक 26 जनवरी, 1967 के द्वितीय परिच्छेद के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाय :—

“मंडल कटावदार किरणों के साथ पांच कोण वाले तारे के समान टाम्बक ब्रांज से बना 40 मिलीमीटर का होगा तथा एक कोण सबसे ऊपर होगा जिसमें रिबन के लिए एक छल्ला लगा होगा। इसमें सामने की ओर बीच में राज्य चिह्न समुदभूत होगा तथा राज्य चिह्न के चारों ओर गोलकार में एक पट्टी (2 मिलीमीटर चौड़ी तथा जिसका बाहरी किनारा 20 मिलीमीटर के व्यास का होगा) होगी जो ऊपर की ओर शेरों के सर से कटी होगी। इस पट्टी पर “समर सेवा स्टार 1965” उभरे हुए अक्षरों में लिखा होगा। मंडल का पिछला भाग बिल्कुल खाली होगा। मंडल का एक मुद्राकृत प्रतिरूप सुरक्षित रखा जायगा।

सं० 53-प्रेज/68—राष्ट्रपति, निम्नलिखित व्यक्तियों को, अपने जीवन को अत्यन्त संकट की परिस्थितियों में डालकर साहस एवं तत्परता प्रदर्शन करने के लिये, उत्तम जीवन रक्षा पदक प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. संख्या 1323876 लांस नायक गोविन्दन मुधाकरण, इंजीनियर्स। (मरणोपरान्त)

लांस नायक गोविन्दन मुधाकरण ने 23 अक्टूबर 1966 को जब कि वे छुट्टी पर अपने गांव में आये हुए थे, सड़क के किनारे से देखा कि दो बच्चे जो कि इरेनजोली नदी में स्नान कर रहे थे, बाढ़ आई हुई नदी की तेज धारा में बहे जा रहे हैं। लांस नायक मुधाकरण ने अपनी निजी सुरक्षा की तकनीक भी परवाह न करते हुए दोनों बच्चों को बचाने के लिये नदी में छलांग लगा दी। वे दोनों बच्चों को बचाने में सफल हुए, किन्तु स्वयं धारा की पकड़ में आ गये और डूब गये।

नायक गोविन्दन मुधाकरण द्वारा बच्चों के जीवन को बचाने में प्रदर्शित साहस, वीरता और बलिदान उदाहरणात्मक है।

2. श्री प्रभाकर वनेश सप्काले,  
एन० डी० एस० अनुदेशक,  
राष्ट्रीय समुपयुक्तता दल,  
जिला जलगांव, महाराष्ट्र।

10 अगस्त 1967 को महाराणा प्रताप हिन्दी विद्यालय के 150 विद्यार्थी और 5 अध्यापकों का एक दल जिसमें श्री सप्काले भी शामिल थे, पिकनिक के लिये गिरमा नदी पर स्थित पम्पिंग स्टेशन पर गया। जब कि पार्टी भोजन कर रही थी, दो विद्यार्थी अध्यापकों को बताये बिना वहां से निकल गये और नदी में जिसमें कि बाढ़ आई हुई थी, कूद पड़े। दुर्भाग्यवश वे भंवर में फंस गये। स्वयं को निस्सहाय और संकटपूर्ण दशा में देखकर वे सहायता के लिये चिल्लाये। अध्यापक और अन्य विद्यार्थी नदी के तट की ओर लपके, किन्तु उनका, नदी में जो बाढ़ पर थी, घुसने का साहस नहीं हुआ। फिर भी श्री सप्काले हिम्मत से आगे बढ़े और अपनी सुरक्षा का तकनीक भी विचार न करते हुए, तैरते हुए सीधे भंवर की ओर गये। उन्होंने दोनों विद्यार्थियों को पकड़ा और सुरक्षित रूप में उन्हें नदी से बाहर खींच लाये।

श्री प्रभाकर वनेश सप्काले ने अपने इस वीरतापूर्ण कार्य से न केवल दो अमूल्य जानें बचाईं, बल्कि निःस्वार्थ साहस और सेवा का सुन्दर उदाहरण प्रस्तुत किया।

सं० 54-प्रेज०/68—राष्ट्रपति, निम्नलिखित व्यक्ति को अपने जीवन को अत्यन्त संकट की परिस्थितियों में डालकर साहस एवं तत्परता का प्रदर्शन करने के लिये, उत्तम जीवन रक्षा पदक पट्टी प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं—

श्री राम विलास शर्मा पहलवान,  
मंगलवाड़ा, होशंगाबाद ।

29 जुलाई 1965 को जिला रायसेन में बिसन खेड़ा ग्राम में एक बंध फट गया जिससे समस्त ग्राम को खतरा उत्पन्न हो गया । मकान पांच-छः फीट गहरे पानी में डूब गये । श्री राम विलास पहलवान एक चपरासी के साथ लगभग 15 घंटे तक लगातार बचाव कार्य में जुटे रहे और सभी व्यक्तियों को सुरक्षात्मक स्थानों पर ले जाने में सफल हुए ।

13 अप्रैल 1966 को प्रातः लगभग साढ़े पांच बजे श्री राम विलास पहलवान ने जब वे होशंगाबाद में नर्वदा के घाट पर ड्यूटी पर थे, कुछ औरतों को चिल्लाते हुए सुना । पूछने पर मालूम हुआ कि दो लड़कियाँ फिसल कर गहरे पानी में चली गई हैं और डूब रही हैं । एक-दूसरे को सहायता देने के प्रयास में दोनों लड़कियाँ बह कर कुछ दूर चली गईं, जहाँ काफी गहरा पानी था । वे उन लड़कियों को सुरक्षित रूप में निकाल लाये और उन्हें प्रथम उपचार सहायता दी ।

17 मई 1966 को होशंगाबाद में उन्होंने एक लड़की को नदी में छलांग लगाते देखा किन्तु उसे पानी से बाहर आते नहीं देखा और उसकी माँ को जोर-जोर से चिल्लाते हुए सुना । वे एकदम पानी में कूद पड़े । उन्होंने लड़की को उसके बालों से पकड़ लिया किन्तु जब उसे पानी से बाहर निकाला तो उन्हें आश्चर्य हुआ कि एक और लड़की उस लड़की से लिपटी हुई है । उन्होंने दोनों लड़कियों को बचाया ।

26 जून 1966 को होशंगाबाद में सायं चार बजे जब श्री राम विलास पहलवान ड्यूटी पर थे तो कुछ व्यक्ति तैर कर नदी पार कर रहे थे । उनमें से एक व्यक्ति थकान के कारण डूबता हुआ नजर आया । श्री राम विलास तैर कर डूबते हुए व्यक्ति के पास पहुँचे और उसे किनारे पर ले आये ।

सं० 55-प्रेज०/68—राष्ट्रपति, निम्नलिखित व्यक्तियों को सख्त घायल होने का खतरा होते हुए भी जीवन रक्षा करते हेतु साहस एवं तत्परता का प्रदर्शन करने के लिये जीवन रक्षा पदक प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं—

1. श्री पराम्मल मोहम्मद,  
मुख्याध्यापक,  
अपर प्राइमरी स्कूल, चन्नामंगलूर  
जिला कौजीकोड, केरल ।

14 अप्रैल 1968 को वयथेरी एममन, दक्षिण वयानाद के श्री मैथ्यू एम० थामस की पांच पुत्रियाँ चन्नामंगलूर में एरुवाजिन्जी नदी में स्नान के लिए गईं । जब कि वे कछार में स्नान कर रही थीं, एक लड़की नदी के गहरे पानी में फिसल गई । यह देख कर उसकी तीन बहनें उसे बचाने के लिये उसके पीछे गईं, किन्तु उन्हें भी धारा बहा ले गई और वे गहरे पानी में चली जा रही थीं । उस क्षण सबसे छोटी लड़की ने एक जोर की चीख मारी । इसको सुन कर श्री पराम्मल मोहम्मद, मुख्याध्यापक, सरकारी अपर प्राइमरी स्कूल, चन्नामंगलूर, जो लगभग 50 गज की दूरी पर

स्नान कर रहे थे, अपनी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करते हुए शीघ्रता से गहरे पानी में चले गये और उन चारों लड़कियों को डूबने से बचा लिया ।

श्री पराम्मल मोहम्मद ने अपनी तत्परता तथा साहस से चार युवा कन्याओं की जान बचाई । इस प्रकार उन्होंने उच्चकोटि की वीरता का प्रदर्शन किया ।

2. श्री यशवन्त गणेश दातार,  
क्लर्क,  
कोयना नगर पोस्ट आफिस,  
कोयना नगर ।  
3. श्री बालू गोपाल गायकवाड़,  
लाइन्स मैम,  
कोयना नगर पोस्ट आफिस,  
कोयना नगर ।

11 दिसम्बर 1967 को महाराष्ट्र राज्य में समस्त कोयना नगर क्षेत्र भूचाल के परिणामस्वरूप कम्पित तथा विकृत हो गया था । पोस्ट आफिस की बिल्डिंग और पोस्ट मास्टर का मकान गिर गया था और सभी निवासी घायल हो गये थे । भूचाल के झटके लगातार आ रहे थे और पोस्ट आफिस में प्रवेश करना बहुत खतरनाक था । पोस्ट आफिस के एक क्लर्क श्री यशवन्त गणेश दातार और लाइन्समैन श्री बालू गोपाल गायकवाड़ खतरे की परवाह न करते हुए पोस्ट आफिस के भीतर अंधेरे में घुस गये और उन्होंने मलबे से पब्लिक काल आफिस कैबिन को खोद निकाला और टेलीफोन उपकरण को निकाल लिया । तदुपरान्त श्री गायकवाड़ निकटतम टेलीफोन के खम्भे की ओर भागे, उस पर चढ़े और कराड़ के साथ टेलीफोन कनेक्शन जोड़ा । यह कोयना नगर की दुर्घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को देने में सफल हुए जिससे वे भूकम्प पीड़ितों के लिये कम से कम समय में सहायता एवं सामग्री पहुँचा सके ।

सर्वश्री यशवन्त गणेश दातार और बालू गोपाल गायकवाड़ ने उच्चकोटि की लोक-सेवा-भावना दिखाई तथा अपने आपको भारी जोखिम में डाल कर उदाहरणीय साहस प्रदर्शित किया ।

4. श्री सौरी मैसी दास,  
टिन तथा ताम्रकार,  
मिलिट्री कालेज आफ इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड मर्केनिकल इंजी-  
नियरिंग,  
विमलघेरी, आन्ध्र प्रदेश ।

27 फरवरी 1967 की अर्धरात्रि को बिस्तरों के एक बण्डल पर खुले लैम्प के अकस्मात् गिर जाने से 92, राबर्ट रोड, विमलघेरी पर स्थित एक सर्वेण्ट क्वार्टर में आग लग गई । श्री रामचन्द्र, उनकी स्त्री और उनके तीन बच्चे क्वार्टर में सो रहे थे । माता-पिता जलते हुए घर से बाहर भागते हुए दो बच्चों को अपने साथ निकाल लाये । श्री सौरी मैसी दास जो कि पड़ोस के क्वार्टरों में रहते थे, खतरे की परवाह न करते हुए जलते हुए क्वार्टर में तेजी से घुसे और श्री रामचन्द्र की 7 वर्षीय पुत्री जर्मीना को उठा कर उसकी जान बचाने के लिये तेजी से बाहर निकल आये । उन्होंने शीघ्रता से परिवार के तमाम सदस्यों को उनके आग से जले घावों के उपचारार्थ नम्बर 8, एयर फोर्स हस्पताल, सिकन्दराबाद में दाखिल कराया । किन्तु दुर्भाग्यवश हस्पताल में बाद में वह बच्चा मर गया ।

श्री सौरी मैसी दास ने बच्चे को बचाने में अपने लिये भारी खतरा उठा कर उच्चस्तरीय साहस एवं पहल-शक्ति का परिचय दिया ।

5. श्री धनी राम,  
जिला मैनपुरी,  
उत्तर प्रदेश ।

सितम्बर 1967 के दौरान भारी वर्षा के कारण मैनपुरी जिले में सिरसा नदी का पानी अत्यधिक बढ़ गया था और बाढ़ ने भयंकर रूप धारण कर लिया था । शिकोहाबाद तहसील में सिरसागंज के निकट पुल क्षतिग्रस्त हो गया और देशी नौकाओं द्वारा ही संचार व्यवस्था कायम रखी जा सकी । 4 सितम्बर 1967 को एक देशी नौका, जो कि कुछ व्यक्तियों को ले जा रही थी, भंवर में फंस गई और उसे तेज धाराएं दूर बहा ले गईं । श्री धनीराम, जिन्होंने इस दुर्घटना को देखा, अपनी निजी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करते हुए नदी में कूद पड़े और दो स्त्रियों तथा एक बच्चे को डूबने से बचा लिया ।

श्री धनी राम ने तीन जानों को बचाने में उच्चकोटि की तत्परता और साहस का प्रदर्शन किया ।

6. मास्टर रशीद अबरार,  
मौहल्ला गढ़ी राय पहाड़ सिंह,  
बरेली ।

26 अगस्त 1967 को जब लगभग 13 वर्षीय मास्टर रशीद अबरार लगभग 5 वर्षीय सुधीर तथा अन्य बालकों के साथ शिवमंगल क्लब, मैनपुरी के बगीचे में खेल रहा था तो सुधीर ने एक बिजली के खम्भे को छू लिया जिसमें बिजली के लीक होने से करंट था । सुधीर स्वयं को खम्भे से पृथक् नहीं कर सका और बिजली से मरने ही वाला था । कोई वयस्क निकट नहीं था । मास्टर रशीद अबरार तुरन्त सुधीर को बचाने के लिये दौड़ा । अपनी रबड़ की चप्पलें हाथ में लेकर और उनका दस्तानों की तरह प्रयोग करके सुधीर को करंट वाले खम्भे से छुड़ा लिया, यद्यपि ऐसा करने में उसे स्वयं एक बिजली का झटका लग गया ।

मास्टर रशीद अबरार ने अपने आपको भारी खतरे में डालते हुए प्रशंसनीय सूझ-बूझ एवं साहस का प्रदर्शन किया ।

7. श्री ए० नारायण पिल्ले,  
भजनामादाथिल हाउस,  
रमनकुलंगारा, क्विलोन-3 ।

24 नवम्बर 1967 को एक प्राइवेट बस थिवेली में अपतमडी झील के पुल के निकट नियंत्रण से बाहर हो गई और तट पर से लड़कती हुई झील में जा गिरी ।

एन० सी० सी० ग्रुप हैड क्वार्टर्स थिवेली के मित्रिलियन क्लर्क तुरन्त दुर्घटनास्थल की ओर दौड़े । श्री ए० नारायण पिल्ले वहां पहुंचने वाले पहले व्यक्ति थे । उन्होंने देखा कि बस उल्टी पड़ी थी, इंजन अभी भी चल रहा था, पहिये धूम रहे थे और दरवाजे बन्द थे । उन्होंने बस के औजारों के बसे में से गिरे हुए एक हथौड़े को उठाया और दरवाजे को ठोक-ठोक कर खोल दिया । वे बस में चढ़े और उन यात्रियों की सहायता की जो चल लेने के योग्य थे ।

तब उन्होंने देखा कि एक महिला सीट के नीचे दबी पड़ी है । उन्होंने बस के स्टार्टिंग हैंडल से सीट को उठाया और महिला को बचा लिया । जब कि श्री पिल्ले बस में थे, कोई व्यक्ति उनकी सहायता के लिये अन्दर नहीं आया । ऐसा प्रतीत होता था कि चलते हुए इंजन ने लोगों को पास नहीं आने दिया । सब यात्रियों को बचाने तक वे इंजन के धुएं से पूर्णतया थक गये ।

श्री ए० नारायण पिल्ले ने गम्भीर शारीरिक चोटों का खतरा उठाते हुए साहस और तत्परता से काम लिया ।

ब० जे० मोर, राष्ट्रपति के उप सचिव

### समाज कल्याण विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 जुलाई 1968

सं० एफ० 1-100/65-एस० डबल्यू०-3 (खंड 2) — समाज कल्याण विभाग के दिनांक 15 फरवरी, 1968, के संकल्प संख्या एफ० 1-100/65-एस० डबल्यू०-3 (खंड II) के सातव्य में भारत सरकार निम्नलिखित व्यक्तियों को केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के सदस्य सहर्ष मनोनीत करती है :—

1. श्रीमती कमल कुमारी बरुआ (असम)
2. श्रीमती कलावती त्रिपाठी (बिहार)
3. श्रीमती के० स्वरूप कृष्ण (हरियाणा)
4. श्रीमती वी० जोषियंगा (नागालैंड)
5. श्रीमती बिनोदिनी सरंगी (उड़ीसा)
6. श्रीमती एच० एस० बरार (पंजाब)
7. श्रीमती महेन्द्र कौर (लोक सभा)
8. श्रीमती शकुन्तला नायर (लोक सभा)
9. श्रीमती पुष्पबेन जनार्दनराय मेहता (राज्य सभा)

बी० एस० रामदास, उप-सचिव

### ग्रह मन्त्रालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 11 जुलाई 1968

#### संकल्प

सं० 8/1/67-हि० सं० सं०—इस मन्त्रालय के ता० 9 जून 1967 के संकल्प संख्या 8/1/67-हि० सं० सं० के अधीन पुनर्गठित हिन्दी सलाहकार समिति में श्री सिद्धेश्वर प्रसाद अब सदस्य नहीं रहें हैं । उनके स्थान पर भारत सरकार श्री एन० एम० आर० मुन्नामन को समिति में सदस्य के रूप में सहर्ष नियुक्त करती है ।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सब राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासकों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों, राष्ट्रपति सचिवालय/मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, योजना आयोग, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली, लोक सभा सचिवालय और राज्य सभा सचिवालय को भेज दी जाय ।

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में आम जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाय ।

प्रेम नाथ धीर, उप सचिव

**खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मन्त्रालय****(कृषि विभाग)**

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1968

**संकल्प**

सं० 20-11/67-बीज (विकास)—भारत सरकार के खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मन्त्रालय (कृषि विभाग) के इसी संस्था वाले संकल्प, दिनांक 10 अक्टूबर, 1967 के द्वारा बीज समीक्षा दल का गठन वर्तमान स्थिति में सही मल्यांकन और भविष्य के लिए सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिए किया था। उसे अपनी रिपोर्ट 31 मार्च 1968 तक देनी थी। इसी संस्था वाले संकल्प, दिनांक 8 मई 1968 द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत करने का समय 31 मई 1968 तक बढ़ा दिया गया था। अब भारत सरकार ने इस दल को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए 15 जून 1968 तक का समय बढ़ाने का निश्चय किया है।

**आदेश**

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति दल के प्रधान तथा समस्त सदस्यों, भारत सरकार के समस्त मन्त्रालयों/विभागों प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, मन्त्रीमण्डल सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय तथा समस्त राज्य सरकारों तथा संघ क्षेत्रों को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की जानकारी के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

एस० एम० एच० वर्मा, सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1968

**संकल्प**

सं० 1-22/67-व्या० ५०-1—संकल्प सं० 1-22/67 व्या० फ० 1 दिनांक 8 दिसम्बर 1967 में, जिसके अनुसार भारतीय मसाला विकास परिषद् का पुनर्गठन किया गया था, आंशिक संशोधन करते हुए धारा III में निम्नलिखित इन्दराज किया जाता है:—

(क) (IX) गुजरात।

(ख) (III) निदेशक, केन्द्रीय खाद्य तकनीकी/जीकल अनुसंधान संस्थान, मैसूर या उसका प्रतिनिधि।

निदेशक, केन्द्रीय खाद्य तकनीकी/जीकल अनुसंधान संस्थान, मैसूर प्रेषक के पद पर नहीं रहेंगे।

**आदेश**

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति समस्त राज्य सरकारों, समस्त संघ क्षेत्रों और भारत सरकार के समस्त मन्त्रालयों, योजना आयोग, मन्त्रीमण्डल सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, लोक सभा सचिवालय तथा राज्य सभा सचिवालय को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि जनसाधारण की जानकारी के लिये यह संकल्प भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

एस० जे० माजूमदार, अतिरिक्त सचिव

**शिक्षा मन्त्रालय**

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1968

सं० एफ० 2-8/67-एन० सी० आर० टी०—पहली मई, 1968 से, श्री पी० एन० कृपाल के स्थान पर श्री जी० के० चन्दीरामाणी, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के शिक्षा सलाहकार तथा सचिव राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् के कामकाज व कार्यक्रमों के पुनर्विलोकन के लिए भारत सरकार द्वारा नियुक्त की गयी समिति के सदस्य होंगे।

शीतल प्रसाद जैन, अवर सचिव

**परिवहन तथा नौवहन मन्त्रालय****(परिवहन पक्ष)**

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1968

**संस्था****(पत्तन)**

सं०-20-पी० जी० (12)/68—परिवहन तथा नौवहन मन्त्रालय संस्था सं० 20-पी० जी० (13)/67 दिनांक 22 सितम्बर 1967 के अंशतः रूपान्तरण में भारत सरकार ने निश्चय किया है कि श्री एस० सी० सी० अन्टनी पिल्लई, उपाध्यक्ष, अखिल भारत पत्तन तथा गोदी कर्मचारी संघ, भी श्रम प्रतिनिधि के रूप में राष्ट्रीय पत्तन मंडल के सदस्य होंगे।

**आदेश**

आदेश दिया जाता है कि इस संस्था की एक प्रतिलिपि, मंडल के सदस्यों, राष्ट्रपति के निजी तथा सैनिक सचिवों, प्रधान मंत्री सचिवालय, मन्त्रीमंडल सचिवालय, योजना आयोग, भारत सरकार के मन्त्रालयों/विभागों और संबद्ध राज्य सरकारों को प्रेषित कर दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिए इस संस्था को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

जैड० एस० झाला, संयुक्त सचिव

**सिंधी व बिजली मन्त्रालय**

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1968

सं० 42/3/68-वि० का० 1—सुभाष बोरडे के स्थापन में सम्बद्ध इस मन्त्रालय की समय-समय पर संशोधित अधिसूचना सं० डी० डब्ल्यू० 6-4(9) दिनांक 10 मार्च 1955 में निम्नलिखित एक और संशोधन किया जाता है।

अनुच्छेद I में 'सदस्यों' के अन्तर्गत वर्तमान इंदराज नामक "आन्ध्र प्रदेश सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग का अतिरिक्त सचिव" को निम्नलिखित से बदल दिया जाए:

"सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग, आन्ध्र प्रदेश सरकार"

एस० नारायणस्वामी, अवर सचिव

**PRESIDENT'S SECRETARIAT***New Delhi, the 22nd July 1968*

No. 51-Pres./68.—The President is pleased to direct that in Notification No. 14-Pres./67, dated the 26th January, 1967, relating to Raksha Medal, 1965 and Notification No. 15-Pres./67 dated the 26th January, 1967, as amended by Notifications Nos. 38-Pres./67, dated the 29th April, 1967 and 19-Pres./68, dated the 11th March, 1968, relating to Samar Seva Star 1965, the following amendments shall be made :—

- (a) Clause Secondly in Notification No. 14-Pres./67, dated the 26th January 1967, may be substituted by the following :—

"The medal shall be circular in shape, made of cupro-nickel, 35 millimetres in diameter. It shall have embossed on its obverse the State Emblem 22 millimetres in height. On its reverse it shall have embossed in the centre the rising sun with sprays of laurel below it on either side and the inscription "रक्षा मेडल 1965" embossed above it. The medal shall have a plain fitting of the standard pattern. A sealed pattern of the medal shall be deposited and kept."

- (b) Clause Secondly in Notification No. 15-Pres./67, dated the 26th January 1967, may be substituted by the following :—

"The medal shall be in the form of a five pointed star with bevelled rays, made of tombac bronze, 40 millimetres across with one point uppermost to which shall be fitted a ring for the ribbon. On the obverse in the centre, it shall have the State Emblem superimposed and a circular band (2 millimetres in width and 20 millimetres in diameter at its outer edges) surrounding the State Emblem and broken at the top by the heads of the lions. On this band shall be the inscription समर सेवा स्टार 1965" in raised letters. The reverse of the medal shall be plain. A sealed pattern of the medal shall be deposited and kept."

No. 52-Pres./68.—The President is pleased to direct that in Notification No. 32-Pres./60, dated the 17th June 1960, relating to the award of Videsh Seva Medal, the following amendment shall be made :—

Para 1 of Notification No. 32-Pres./60, dated the 17th June, 1960 under the heading "THE VIDESH SEVA MEDAL/OVERSEAS MEDAL" may be substituted by the following :—

"The medal shall be circular in shape, made of cupro-nickel, 35 millimetres in diameter and fitted to a plain horizontal bar with standard fitting. It shall have embossed on its obverse the State Emblem and the inscription "विदेश सेवा मेडल below it along the rim. On its reverse it shall have a warship of ancient times."

*The 25th July 1968*

No. 53-Pres./68.—The President is pleased to approve the award of the UTTAM JEEVAN RAKSHA PADAK to the under mentioned persons for courage and promptitude under circumstances of great danger to their own lives :—

1. No. 1323876 L/Nk. GOVINDAN SUDHAKARAN, Engineers. (Posthumous)

On 23rd October, 1966, Lance Naik Govindan Sudhakaran, while on leave at his home town Eranjoli (Tellicherry), saw from the road-side two children, who were bathing in Eranjoli river, being swept away by the swift current of the river which was in spate. Lance Naik Sudhakaran in utter disregard to his personal safety, jumped into the river to save the two children. He succeeded in saving the two children but was himself caught in the current and drowned.

The courage, bravery and self-sacrifice by Naik Govindan Sudhakaran in saving the life of the children were exemplary.

2. SHRI PRABHAKAR VANESH SAPKALE,

NDS Instructor,  
National Fitness Corps,  
District Jalgaon, Maharashtra.

On 10th August, 1967, a party consisting of 150 students and five teachers of the Maharana Pratap Hindi Vidyalaya including Shri Sap kale went to the pumping station at Girma river for a picnic. While the party was having dinner two students unknown to the teachers plunged into the river which was in flood. Unfortunately they were caught in a whirlpool. On finding themselves in a helpless and perilous condition they cried for assistance. The teachers and other students rushed to the river bank but did not dare to enter the flooded river. Shri Sap kale, however, rose to the occasion and in complete disregard of his own safety swam directly to the whirlpool, caught hold of both the students and pulled them out of the river safely.

By his brave deed Shri Prabhakar Vanesh Sap kale not only saved two precious lives but also set a fine example of selfless courage and service.

No. 54-Pres./68.—The President is pleased to approve the award of Bar to the UTTAM JEEVAN RAKSHA PADAK to the undermentioned person for courage and promptitude under circumstances of great danger to his own life :

- SHRI RAMBILAS SHARMA PAHALWAN,  
Mangalwara, Hoshangabad.

On the 29th July, 1965, the dam at village Bisankheda in Raisen district had burst inundating the entire village. The houses had been submerged under 5 to 6 feet of water. Shri Rambilas Pahalan accompanied by a peon remained engaged in rescue operations continuously for about 15 hours and succeeded in taking all the people to places of safety.

On the 13th April, 1966, at about 5.30 in the morning when Shri Rambilas Pahalan was on duty at the ghat of the Narmada at Hoshangabad he heard some women shouting and on enquiry learnt that two girls had slipped into deep waters and were drowning. In an attempt to render mutual assistance both girls had drifted a little distance where the water was very deep. He brought the girls to safety and rendered first aid to them.

On the 17th May, 1966, at Hoshangabad he observed a girl dive into the river but did not see her coming to the surface and heard her mother shouting loudly. He at once jumped into the water. He caught hold of the hair of the girl but when he brought her to the surface he was astounded to find that she was holding another girl. He rescued both girls.

On the 26th June, 1966, at 4.00 p.m. at Hoshangabad when Shri Rambilas Pahalan was on duty some persons were swimming across the river. One of them appeared to be sinking owing to exhaustion. Shri Rambilas swam to the drowning man and brought him to the shore.

No. 55-Pres./68.—The President is pleased to approve the award of the JEEVAN RAKSHA PADAK to the undermentioned persons for courage and promptitude in saving life at the risk of grave bodily injury to themselves :

1. SHRI PARAMAL MOHAMMED,  
Headmaster, Upper Primary School,  
Channamangaloor, District Kozhikode,  
Kerala.

On 14th April, 1967, the five daughters of Shri Mathew M. Thomas, Batheri Amsom, South Wayanad, went for a bath in the Eruvazhinji river at Channamangaloor. While they were bathing in the shallow water one girl slipped into the deep waters of the river. On seeing this, three of her sisters followed to rescue her but they too were caught by the current and were being carried away into the deep waters. At that moment, the youngest girl raised an alarm. On

hearing the cry Shri Paramal Mohammed, Headmaster, Government Upper Primary School, Channamangaloor, who was taking his bath about 50 yards away, rushed into the deep waters in utter disregard of his own safety and rescued the four girls from drowning.

Shri Paramal Mohammed with his prompt and courageous act saved the lives of the four young girls. By doing this he exhibited gallantry of a high order.

2. SHRI YESHWANT GANESH DATAR,  
Clerk, Koyananagar Post Office,  
Koyananagar.
3. SHRI BALU GOPAL GAIKWAD,  
Linesman, Koyananagar Post Office,  
Koyananagar.

The entire Koyananagar area in Maharashtra State was rocked and damaged considerably as a result of the earthquake on 11th December, 1967. The Post Office building as also the Postmaster's quarters had collapsed and all the occupants were injured. The tremors were still continuing and it was highly dangerous to enter the Post Office premises. Shri Yeshwant Ganesh Datar, a clerk in the Post Office and Shri Balu Gopal Gaikwad, Linesman, unmindful of the risk involved, entered the Post Office in darkness, and dug out the Public Call Office cabin from the debris and removed the telephone instrument. Shri Gaikwad thereafter ran to the nearest telephone pole, climbed it and restored telephone connection with Karad. He was able to pass on the news of the calamity at Koyananagar to the authorities concerned enabling them to rush supplies and help to the victims of the earthquake in the shortest possible time.

Sarvashri Yeshwant Ganesh Datar and Balu Gopal Gaikwad displayed a high sense of public duty and showed exemplary courage at great personal risk to themselves.

4. SHRI SOWRI MASSEY DASS,  
Tin and Coppersmith,  
Military College of Electronics and Mechanical  
Engineering,  
Trimulgherry, Andhra Pradesh.

On the midnight of 27th February, 1967, due to the accidental fall of a lamp on a bundle of clothes, a fire broke out in one of the servants' quarters at 92, Roberts Road, Trimulgherry. Shri Ramachander, his wife and their three children were sleeping in the quarters. The parents managed to bring out two of the children when they rushed out of the burning room. Shri Sowri Massey Dass, who was living in the neighbouring quarters made a dash into the blazing quarter unmindful of risks involved and picked up Jermina, the 7 year old daughter of Shri Ramachander and rushed out with her. He got all the members of the family admitted to No. 8, Air Force Hospital, Secunderabad promptly for severe burn injuries but unfortunately the child subsequently died in the hospital.

Shri Sowri Massey Dass showed a high degree of courage and initiative in rescuing the child at grave risk to himself.

5. SHRI DHANI RAM,  
District Mainpuri,  
Uttar Pradesh.

Due to heavy rains in September, 1967, the Sirsa river in Mainpuri District had swollen very much and the flood had assumed dangerous proportion. The bridge near Sirsaganj in Shikohabad Tehsil was damaged and communication could only be maintained by country boats. On the 4th September, 1967, a country boat which was carrying some people, was caught in a whirlpool and was carried away by the swift currents. Shri Dhani Ram who saw this mishap, jumped into the river in complete disregard of his personal safety and was successful in saving the lives of two women and a child from drowning.

Shri Dhani Ram displayed promptness and courage of high order in saving three lives.

6. MASTER RASHID ABRAR,  
Mohalla Garhi Rai Pahar Singh,  
Bareilly,  
Uttar Pradesh.

Master Rashid Abrar aged about 13 years was playing with Sudhir aged about 5 years and other boys on the lawns of the Sheo Mangal Club, Mainpuri, on the 26th August, 1967 when Sudhir touched an electric pole which because of a leakage of power was electrified. Sudhir could not detach himself from the pole and was in imminent danger of being electrocuted. No grown-up persons were nearby. Master Rashid Abrar at once rushed to the rescue of Sudhir and taking his rubber slipper in his hands and using it as a glove he succeeded in dragging Sudhir from the electrified pole, although in the process he received an electric shock himself.

Master Rashid Abrar showed commendable resourcefulness and courage at great risk to himself.

7. SHRI A. NARAYANA PILLAI,  
Bhajanamadathil House,  
Ramankulangara,  
Quilon-3,  
Kerala.

On the 24th November, 1967, a private bus went out of control near the bridge across Ashtamudi lake at Thevally and rolled down the embankment and fell into the lake.

The civilian clerks of the N.C.C. Group Headquarters, Thevally, rushed immediately to the scene of the accident. Shri A. Narayana Pillai was first to arrive and found that the bus was upside down, the engine was still running and the wheels were revolving and the doors were closed. He picked up a hammer which had fallen from the tool-box of the bus and hammered at the door till it opened. He climbed into the bus and helped out those passengers who were able to move. He then observed a woman pinned down under a seat. He levered up the seat with the starting handle of the bus and rescued the woman. While Shri Pillai was in the bus no one else got in to help him. It appears that the running engine kept people away. By the time he rescued all the passengers he was completely exhausted on account of the fumes from the engine.

Shri A. Narayana Pillai acted with courage and promptitude at the risk of grave bodily injury.

V. J. MOORE, Dy. Secy. to the President

## DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE

New Delhi-1, the 19th July 1968

No. F.1-100/65-SW.3(Vol.II).—In continuation of the Department of Social Welfare Resolution No. F.1-100/65-SW.3(Vol.II) dated the 15th February 1968, the Government of India are pleased to nominate the following as members of the Central Social Welfare Board :—

1. Shrimati Kamal Kumari Borua (Assam).
2. Shrimati Kalavati Tripathi (Bihar).
3. Shrimati K. Saroop Krishen (Haryana).
4. Shrimati V. Zopianga (Nagaland).
5. Shrimati Binodini Sarangi (Orissa).
6. Shrimati H. S. Barar (Punjab).
7. Shrimati Mohinder Kaur (Lok Sabha).
8. Shrimati Shakuntala Nayar (Lok Sabha).
9. Shrimati Pushpaben Janardanrai Mehta (Rajya Sabha).

B. S. RAMDAS, Dy. Secy.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-1, the 12th July 1968

### RESOLUTION

No. 18/17/65-DH(S).—The existing 'Means Test', reproduced below, as appearing in para 1 of the 'Sainik Schools' Scholarship Scheme for boys belonging to Union Territories issued with this Ministry's Resolution No. F.30/6/63-DH(S) dated the 4th January, 1965, published in the Gazette of India, Part I—Section 1, dated the 16th January, 1965, will



be replaced by the amended 'Means Test' with effect from the 1st January, 1968 :—

Existing "Means Test"

Income	Rate of Scholarship	Amount of Scholarship and Clothing Allowance
Rs. 0—500 Per Month.	Full scholarship plus Clothing Allowance.	Rs. 1900·00 per annum plus Rs. 300·00 for clothing allowance in the first year and Rs. 150·00 in the subsequent years.
Rs. 501—750 Per Month.	3/4 scholarship plus clothing allowance.	Rs. 1425·00 per annum plus Rs. 300·00 for clothing allowance in the first year and Rs. 150·00 in the subsequent years.
Rs. 751—1000 Per month.	Half scholarship	Rs. 950·00 per annum.
Rs. 1001—1200 Per month.	1/4 scholarship	Rs. 475·00 per annum.

*Amended 'Means Test'*

- (i) Rs. 0—500 Per month. Full scholarship plus clothing allowance. Rs. 2000·00 per annum plus clothing allowance of Rs. 300·00 for the first year and of Rs. 150·00 for subsequent years.

- (ii) A national prize of Rs. 100·00 and a Certificate of a Merit shall be awarded, in lieu of scholarship, to eligible students whose parents income exceeds Rs. 500·00 per month.

2. The existing paragraph 4 of the Scheme will be replaced by the following paragraph 4 :—

Scholarship once awarded will be tenable for the entire course of education and will not be subject to any revision for subsequent changes in income.

3. Existing paragraph 5 of the Scheme will be replaced by the following paragraph 5.

*"5. Explanation of Income"*

The term 'income', as incorporated in the Amended 'Means Test' has been defined as under :—

- In the case of salaried class basic salary plus income, if any, from other sources and would not include allowance like Dearness Allowance;
- In case of income from sources liable to income tax, income computed (after deduction for rebateable item) for purposes of assessment to income tax, and
- In case of income not liable to income tax such as income from agriculture etc., the net income that is arrived at after deducting expenses incurred for earning the income."

4. A new paragraph 6 will be added as below :—

"6. The Domicile certificate and the affidavit of income will be furnished as in the proforma attached to the Scheme".

A. D. PANDE, Jt. Secy.

**MINISTRY OF COMMERCE**

New Delhi-11, the 12th July 1968

**RESOLUTION**

No. 1/6/67-HC.—The Government have nominated the following personnel as members of the All India Handicrafts

Board at the time of its re-constitution *vide* this Ministry's Resolution No. 1/6/67-HC, dated the 16th September, 1967 :—

- Chairman, Bengal Handicrafts Board.
- Chairman, U.P. Handicrafts Board.
- Chairman, Madras State Handicrafts Board.
- Chairman, Assam Government Small Industries Marketing Corporation.
- Chairman, Maharashtra Handicrafts Board.
- Chairman, Andhra Pradesh Handicrafts Board.
- Chairman, Kerala State Handicrafts Board.

2. The following officials of the State Governments are now nominated in the place of the persons referred to in the preceding paragraph on the All India Handicrafts Boards :—

- Director of Cottage & Small Industries, Government of West Bengal, 45 Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-13.
- Additional Director of Industries, Government of U.P., Kanpur.
- Director of Industries and Commerce, Chequak, Madras.
- Managing Director, Assam Government Marketing Corporation, Gauhati.
- Industries Commissioner, Maharashtra State, Sachivalaya Annexe, Bombay-32.
- Director of Industries, Andhra Pradesh, Hyderabad.
- Additional Director of industries and Commerce, Government of Kerala, Trivandrum.

3. In place of Shri D. N. Saraf appointed as Member-Secretary in this Ministry's Resolution No. F. 1/6/67-HC, dated the 16th September, 1967, Shri Ajit Mookerjee, Officiating Chief Executive Officer, All India Handicrafts Board is appointed as Member-Secretary, All India Handicrafts Board, until further orders.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India.

P. SITARAMAN, Dy. Secy.

New Delhi, the 23rd July 1968

**RESOLUTION**

No. 28(63)-Plant(A)/66.—In modification of the Ministry of Commerce Resolution No. 28(63)-Plant(A)/66, dated the 30th April, 1968 published in the Gazette of India regarding the appointment of a Committee under the Chairmanship of Shri P. C. Borooah to undertake a comprehensive study of the economic conditions and problems of the tea industry, Government of India have decided to extend the period for submission of the Committee's report upto the 31st August, 1968.

**ORDER**

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India.

B. KRISHNAMURTHY, Under Secy.

**MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS**

(Department of Industrial Development)

**Rural Industries Planning Committee**

New Delhi, the 30th May 1968

**RESOLUTION**

No. RIPC/1(1)/68.—Consequent to the transfer of the administrative responsibilities relating to Rural Industries Projects Programme from the Planning Commission to the Ministry of Industrial Development and Company Affairs, with effect from 1-1-1968, it has become necessary to reconstitute the Rural Industries Planning Committee, initially constituted by the Planning Commission *vide* Government of India, Planning Commission Resolution No. VSI/8(6)/61, dated the 18th April, 1962. The President is, therefore,

pleased to reconstitute the Rural Industries Planning Committee with the following :—

*Chairman*

1. Minister for Industrial Development and Company Affairs.

*Members*

2. Minister of Commerce.
3. Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, CD&C.
4. Member (Industry), Planning Commission.
5. Deputy Minister for Industrial Development and Company Affairs.
6. Chairman, Khadi & Village Industries Commission.
7. Chairman, All India Handicrafts Board.
8. Shri Gulzari Lal Nanda.
9. Shri H. C. Mathur.
10. Minister for Industries, Government of Andhra Pradesh, Hyderabad.
11. Minister of Industries, Government of Assam, Shillong.
12. Chief Minister, Government of Bihar, Patna.
13. Minister for Panchayats and Cooperatives, Government of Gujarat, Ahmedabad.
14. Minister for Industries, Government of Jammu & Kashmir, Srinagar.
15. Minister for Industries, Government of Kerala, Trivandrum.
16. Minister for Commerce and Industries, Government of Madhya Pradesh, Bhopal.
17. Minister for Local Administration, Government of Madras, Madras.
18. Minister for Industries, Government of Maharashtra, Bombay.
19. Deputy Minister for Industries, Government of Mysore, Bangalore.
20. Minister for Industries, Government of Orissa, Bhubaneswar.
21. Minister for Industries, Government of Punjab Chandigarh.
22. Minister for Industries & Mines, Government of Rajasthan, Jaipur.
23. Minister for Industries, Government of Uttar Pradesh, Lucknow.
24. Minister for Industries, Government of West Bengal, Calcutta.
25. Secretary, Ministry of Industrial Development and Company Affairs.
26. Joint Secretary, Incharge, Village & Small Industries, Planning Commission.
27. Joint Secretary, Incharge of Small Industries, Department of Industrial Development.
28. Development Commissioner for Small Scale Industries.

*Member-Secretary*

29. Commissioner for Industrial Cooperatives, Department of Industrial Development.
2. The functions of the Committee will continue to be to review the progress of industries in rural areas, advising on problems of policy and planning relating to them and recommending programmes for intensive development of village and small industries in rural areas, including coordinated area and regional plans of development, and pilot projects.
3. The Office of the Committee will be located in the Department of Industrial Development in the Ministry of Industrial Development and Company Affairs and the Secretariat will be provided by the Rural Industries Planning Committee Cell in the Ministry.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India and communicated to all concerned.

N. N. WANCHOO, Secy.

**(Department of Company Affairs)**

**Company Law Board**

**ORDER**

*New Delhi-1, the 22nd July 1968*

No. 51/1/65-CL.II.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (b) of sub-section (4) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Company Law Board hereby authorises the under-mentioned officers of the Government of India, in the Ministry of Industrial Development & Company Affairs (Department of Company Affairs) for purposes of said section 209 :—

1. Shri J. S. Iyer, Senior Cost Accounts Officer, New Delhi.
2. Shri R. Venkatasubbiah, Assistant Cost Accounts Officer, New Delhi.
3. Shri T. S. V. Panduranga Sarma, Inspecting Officer, Bombay.

P. B. SAHARYA, Secy. to the Company Law Board

**MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT & COOPERATION**

**(Department of Agriculture)**

*New Delhi, the 17th July 1968*

**RESOLUTION**

No. 20-11/67-Seeds(Dev.).—The Seed Review Team set up by the Government of India, vide Resolution of even number dated the 10th October, 1967 of the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Department of Agriculture) for a critical appraisal of the present position and to make recommendations for the future, was required to submit its report by the 31st March, 1968. The date for the submission of the Report was extended to the 31st May, 1968, (vide Resolution of even number dated the 8th May, 1968). The Government of India have now decided to further extend the date for submission of the Report by the Team upto the 15th June, 1968.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the Resolution be forwarded to the Leader and Members of the Team, all Ministries/Departments of the Government of India, the Prime Minister's Secretariat, the President's Secretariat, the Cabinet Secretariat, the Lok Sabha Secretariat, the Rajya Sabha Secretariat, and all State Governments and Union Territories.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. M. H. BURNEY, Jt. Secy.

*New Delhi-1, the 19th July 1968*

**RESOLUTION**

No. 1-22/67-C.C.I.—In partial amendment of the Resolution No. 1-22/67-C.C.I. dated the 8th December, 1967 re-constituting the Indian Spices Development Council the following entries are made under clause III as follows :

- a (ix) Gujarat.
- f (iii) Director, Central Food, Technological Research Institute, Mysore or his representative.

The Director, Central Food Technological Research Institute, Mysore will cease to be an observer.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Administrations of Union Territories and Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Lok Sabha Secretariat and Rajya Sabha Secretariat.

2. ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. J. MAJUMDAR, Additional Secy.

### MINISTRY OF EDUCATION

New Delhi-1, the 17th July 1968

No. F.2-8/67-NCERT.—With effect from the 1st May, 1968 Shri G. K. Chandiramani, Educational Adviser and Secretary to the Government of India, Ministry of Education will, vice Shri P. N. Kirpal, be a member of the Committee appointed by the Government of India to review the work and programmes of the National Council of Educational Research and Training.

S. P. JAIN, Under Secy.

### MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd July 1968

#### RESOLUTION

No. 13-TPLI(2)/67.—In the Government of India, Ministry of Transport and Aviation, Department of Tourism Resolution No. 3-TT(14)/57 dated the 27th February, 1958, as amended by the Government of India, Resolutions bearing the same number dated the 23rd April, 1958, 24th July, 1958 and 26th December 1958 and No. 3TPL.II(7)/62 dated the 31st July, 1962 and No. 8-TM(3)/64 dated the 25th June, 1964, No. 13-TPLI(5)/64 dated the 2nd August, 1965, 13-TPLI(5)/64 dated the 10th June, 1966 and the Ministry of Tourism & Civil Aviation, Department of Tourism Resolution No. 13-TPLI(2)/67 dated the 7th June, 1967, the existing Part III of the Resolution will be amended to read as follows :—

#### III Composition of the Council

The Constitution of the Council shall be as follows :

##### Chairman

- (i) Minister of Tourism & Civil Aviation in the Central Government.

##### Vice-Chairman

- (ii) Deputy Minister of Tourism & Civil Aviation in the Central Government.

##### Members

1. Member (Industry), Planning Commission.
2. Ministers Incharge of Tourism in each State and Union Territories of Himachal Pradesh and Goa [17 States and two Union Territories (with legislatures)].
3. The Chief Executive Councillor, Delhi Administration, Delhi.
4. Secretary, Ministry of Tourism & Civil Aviation.
5. Director General, Department of Tourism.
6. Chairman, Indian Tourism Development Corporation.
7. Director General, Department of Civil Aviation.
8. Director General, Archaeological Survey of India.
9. Inspector General of Forests, (Ministry of Food and Agriculture).
10. One representative of the Ministry of Finance, Department of Expenditure.
11. One representative of the Ministry of Works, Housing and Supply.
12. One representative of the Ministry of Railways.
13. One representative of the Ministry of Transport & Shipping.
14. Chief Secretary of a Union Territory (without legislature) One member by rotation.
15. Nine (9) Members of Parliament. They shall be nominated by the Government of India in the Ministry dealing with Tourism.
16. One representative of the Federation of Hotel and Restaurant Associations of India.
17. One representative of the Travel Agents Association of India.
18. One representative of the Shikar Outfitters Association of India.

19. One representative of the International Foreign Flag Carriers in India.
20. One representative of the Foreign Shipping Companies in India.
21. One representative of Air India.
22. One representative of Indian Airlines.
23. One representative of the Federation of Automobile Associations of India.
24. One representative of the Federation of Indian Chambers of Commerce & Industry.
25. Nine members of the Public to be nominated by the Ministry of Tourism & Civil Aviation.

Secretary

An official nominated by the Central Government shall be the Secretary of the Council.

#### ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India for general information.

R. C. DUTT, Secy.

### MINISTRY OF TRANSPORT AND SHIPPING

(Transport Wing)

New Delhi, the 24th July 1968

#### RESOLUTION

(PORTS)

No. 20-PG(12)/68.—In partial modification of the Ministry of Transport and Shipping Resolution No. 20-PG(13)/67, dated the 22nd September, 1967, the Government of India have decided that Shri S. C. C. Anthoni Pillai, Vice-President, All India Port & Dock Workers Federation, shall also be a member of the National Harbour Board representing labour.

#### ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the members of the Board, the Private and Military Secretary to the President, the Prime Minister's Secretariat, the Cabinet Secretariat, the Planning Commission, the Ministries/Departments of the Government of India and the State Government concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

Z. S. JHALA, Jr. Secy.

### MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

New Delhi, the 28th June 1968

#### RESOLUTION

No. 1(1)/67-BTPCB.—In this Ministry's Resolution No. EL.II.28(7)/67, dated the 23rd June, 1967, relating to the constitution of Badarpur Thermal Project Control Board, the following shall be substituted as entry (11) under para 3 :—

- (11) Member (Design & Research),  
Central Water and Power Commission,  
(Water Wing),

Member

The entry (11) under para 3 shall be renumbered as entry (12).

In the same Resolution, under para 6 relating to the constitution of Standing Committee of Badarpur Thermal Project Control Board, the following shall be substituted as entries (2) & (5) :—

- (2) Vice-Chairman,  
Central Water & Power Commission.

Member

- (5) Member (Design and Research),  
C.W. & P.C. (W.W.).

Member

The existing entries (2), (4) to (7) under para 6 shall be renumbered as entries (4), (6) to (9).

## ORDER

ORDERED that the above Resolution be communicated to the Governments of Haryana and Uttar Pradesh, the Ministries/Departments of the Government of India, the Prime Minister's Secretariat, the Cabinet Secretariat, the Secretary to the President, the Planning Commission, the Comptroller and Auditor General of India and the Delhi Administration.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. P. MATHRANI Secy.

*New Delhi, the 18th July 1968*

No. 41/3/68-DW.I.—The following further amendment is made in this Ministry's Notification No. DW.VI-4(9), dated the 10th March 1955 (as amended from time to time) relating to the establishment of the Tungabhadra Board, namely :

For the existing entry under "Members" in para 1, namely "Additional Secretary to Government of Andhra Pradesh, Public Works Department", the following entry shall be substituted, namely :—

"Secretary to Government of Andhra Pradesh, Public Works Department."

S. NARAYANASWAMY, Under Secy.

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND  
REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

*New Delhi-1, the 19th July 1968*

## RESOLUTION

No. WB-15(3)/65.—In further modification of the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation Resolution No. WB-15(1)/64, dated the 28th May, 1966, Shri S. T. Raja, is appointed as a Member representing employers on the Central Wage Board for Electricity Undertakings in place of Shri G. Sambasiviah.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

HANS RAJ CHHABRA, Under Secy.